Master of Arts Examination: September / October - 2022
(Distance Education)

Day & Date	Semester	Subject Name	Time	Code	Marks
Wednesday 28-09-2022	I (Fresh)	Hindi – Madhyakalin Kavya	11:00 AM To 02:10 PM	103503	75

सुचनाएँः– सभी प्रश्न अनिवार्य है।

प्र.1 निम्नलिखित पद्यांशो में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या करें। **20**

क) मोकों कहाँ ढूंढे बंदे, मैं तो तेरे पास में।
न मैं देवल न मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौने क्रिया–कर्म में, नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतै मिलिहौं, पल भर की तालास में।

ब) आजू हौं एक–एक करि टरिहौं।
कै तूमहीं कै हमहीं, माधौ, अपने भरोसै लरिहौं।
हौं तो पतित सात पीढ़िनि कौ, पतितै हवे निस्तरिहौं।
अब हौं उघरि नच्यौ चाहत हौं, तुम्हें बिरद बिन करिहौं।

क) देव बड़े दाता बड़े संकट बड़े मोरे।
किए दूर दुखनि के जिन्ह जिन्ह कर जोरे।।
सेवा सुमिरन पूजिबो पात आखत थोरे।
दियो जगत जहँ लगि सबै सुख गज रथ घोरे।।

ड) रैन–दिना घुटिबो करे प्रान, झरैं अखिंया दुखियां झरना सी।
प्रीतम की सुधि अंतर मैं कसकै, सखि ज्यौं पन्सुरींन मैं गांसी।

प्र.2 आधुनिक युग में सूर–काव्य की प्रासंगिकता पर विचार करें। **20**

अथवा

घनानन्द की काव्यकला पर प्रकाश डालें।

प्र.3 इनमें से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **20**

1) कबीर के काव्य में अभिव्यक्त समाज दर्शन पर चर्चा करें।
2) कबीर के काव्य में उपस्थित राम के स्वरूप को स्पष्ट करें।
3) तुलसी की भक्ति भावना पर प्रकाश डालें।
4) तुलसी की काव्यकला के वैशिष्ट्य को विश्लेषित करें।

प्र.4 इनमें में से किन्ही तीन पर टिप्पणीया लिखिए। **15**

1) कबीर के काव्य में उपस्थित प्रतीक
2) सूरदास की भाषा शैली
3) रामभक्ति काव्यधारा
4) रीतिबद्ध काव्य